

# डॉ. डोनाल्ड फाउलर, पुराने नियम की पृष्ठभूमि, व्याख्यान 23, फारसियों और यूनानी संघर्ष और फारस का अंत

© 2024 डॉन फाउलर और टेड हिल्डेब्रांट

यह पुराने नियम की पृष्ठभूमि पर अपने शिक्षण में डॉ. डॉन फाउलर हैं। यह सत्र 23 है, फ़ारसी और यूनानी संघर्ष और फारस का अंत।

ठीक है, जिन घटनाओं को हम देख रहे हैं वे छोटे इज़राइल की सीमाओं से बहुत दूर हैं, लेकिन वे, जैसा कि अक्सर विश्व की घटनाओं के मामले में होता है, इज़राइलियों के लिए उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं जितना वे कभी जान सकते थे।

यूनानियों और फारसियों के बीच ये युद्ध यह निर्धारित करने वाले थे कि सभ्यता किस दिशा में जाएगी, और यह पता चला कि यह पश्चिम की ओर जाएगी। डेरियस मैराथन की लड़ाई हार गया, जो फारसियों के लिए शायद ही कोई तबाही थी।

लेकिन इससे पहले कि हम डेरियस को छोड़ें, मैं आपको यह बता दूँ कि हर संभव तरीके से, वह सबसे सफल फ़ारसी राजाओं में से एक था। यह तर्क दिया जा सकता है कि डेरियस एक संगठनात्मक प्रतिभा था। यह डेरियस ही था जिसने क्षेत्रों के लिए एक प्रशासनिक व्यवस्था बनाई जिसका अनुसरण सभी बाद के फ़ारसी राजाओं द्वारा किया जाएगा।

दूसरे शब्दों में, उन्होंने प्रत्येक क्षेत्र में कार्यालयों की एक प्रणाली बनाई ताकि क्षेत्र के भीतर नियंत्रण और संतुलन रहे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे सिंहासन के विरोध में एकजुट न हो सकें। तो इसके बारे में बात करने में मुझे थोड़ा समय लगेगा, और शायद मैं ऐसा नहीं करने जा रहा हूँ क्योंकि हम आगे बढ़ना चाहते हैं और इतिहास के इस खंड को समाप्त करना चाहते हैं, लेकिन यह प्रत्येक क्षेत्र के भीतर जांच और संतुलन की एक शानदार प्रणाली थी जो कि फारसियों को रॉयल्टी की गारंटी दें। उदाहरण के लिए, उन्होंने एक शाही कर संग्रहकर्ता बनाया।

वह कार्यालय अस्तित्व में नहीं था। इसलिए, उन्होंने एक शाही कर संग्रहकर्ता बनाया, जिसके पास सभी क्षेत्रों पर अधिकार क्षेत्र था, और इसका मतलब उस पैमाने पर राजस्व था जो दुनिया ने कभी नहीं देखा था। और इसलिए, इसने, निस्संदेह, फ़ारसी सिंहासन को भी अमीर बना दिया।

वह इस अर्थ में कुछ हद तक टिग्लैथ-पिलेसर की तरह है कि यह प्रशासनिक प्रणाली अपने शेष अस्तित्व के लिए साम्राज्य की सेवा करेगी। उन्होंने फ़ारसी साम्राज्य के लिए एक विशाल ट्रंक रोड बनाई, और यह ट्रंक रोड, यह व्यापक सड़क प्रणाली, सुसा से सरदीस तक फैली हुई थी। तो, यदि आप मेरे साथ सुसा को ढूँढना चाहते हैं, तो यहां सुसा है।

आप इस महान फ़ारसी शाही सड़क को लाइन के रूप में देख सकते हैं, जो सुसा से लेकर त्रोआस और सरदीस इत्यादि तक जाती है। यह शाही सड़क 1,600 मील तक फैली हुई थी और

पक्की थी। निःसंदेह, इसने रोमनों को, मुझे यकीन है, अपनी स्वयं की सड़क प्रणाली का विचार दिया।

फ़ारसी साम्राज्य को एकजुट करने के लिए इस ट्रंक रोड पर, उनके पास 111 स्टेशन थे जिनमें सैनिकों के साथ-साथ घोड़े भी तैनात थे ताकि यह पूर्व और पश्चिम को एकजुट करते हुए फ़ारसी साम्राज्य के लिए जीवन धमनी के रूप में काम कर सके। यह सिर्फ एक शानदार टाइलैथ-पाइल्सर जैसा कदम था। चर्चों में लोगों के बीच यह भी अच्छी तरह से ज्ञात नहीं है कि यही वह राजा है जिसने वास्तव में सिक्कों को लोकप्रिय बनाया, उनका आविष्कार किया और उन्हें लोकप्रिय बनाया।

सबसे पहले प्रचलित सिक्के असीरियन राजा सरगोन के शासनकाल के दौरान तांबे के बने थे। हालाँकि, वे केवल औपचारिक सिक्के थे। सिक्के का आविष्कार करने का काम डेरियस पर छोड़ दिया गया था।

उन्होंने डेरिक, DARIC बनाया, जिसका नाम उन्हीं के कारण रखा गया। यह सोने का सिक्का था, और उन्होंने सिग्लोस नामक एक चांदी का सिक्का बनाया। दिलचस्प बात यह है कि सिग्लोस एक ऐसा शब्द है जो प्राचीन सेमेटिक शब्द शेकेल के प्रभाव में था।

शेकेल और सिग्लोस व्युत्पत्ति संबंधी दृष्टि से संबंधित हैं। तो, सोने के सिक्के का नाम उसके नाम पर रखा गया, डेरिक, चांदी का सिक्का, सिग्लोस। तो, इसका मतलब मानव इतिहास के शेष भाग के लिए, सिक्के अब खाद्य पदार्थों या धातु की चीज़ों के बजाय मुद्रा का साधन होंगे जिन्हें तौला गया था।

इसलिए, उन्होंने दुनिया पर एक विशाल पदचिह्न छोड़ा। मैं यह भी कह सकता हूँ कि यह किसी भी अन्य फ़ारसी राजा की तुलना में एक बड़ा पदचिह्न था क्योंकि यह इतने लंबे समय तक चला। तो हॉलीवुड और शास्त्रीय विद्वानों की पौराणिक कथाओं में डेरियस को गहरे रंगों में चित्रित किया गया है, लेकिन वह एक शानदार राजा था।

डेरियस के बाद ज़ेरक्स, एज्रा 4:6 का क्षयर्य आता है। तो, हम यहां ज़ेरक्स के बारे में कुछ बात करेंगे, और ज़ेरक्स, निश्चित रूप से, बाइबिल में कुछ परिणाम का एक आंकड़ा है। जब ज़ेरक्स सिंहासन लेता है, तो उसके सिंहासन पर बैठने पर सामान्य विद्रोह होते हैं। कई पुराने पारसी-विरोधी पुजारियों ने इस समय विद्रोह करना चुना, इसलिए ज़ेरक्स ने धार्मिक सुधार किया, जिसमें उन्होंने अपनी धार्मिक व्यवस्था को अहुरा मज़्दा की पूजा पर रखा।

मिस्र ने भी विद्रोह किया लेकिन उसे पुनः जीत लिया गया। 482 में बेबीलोन ने विद्रोह कर दिया, इसलिए उसने इसे क्षत्रप बना दिया। उसने बेबीलोन की दीवारें ढहा दीं, उसके मंदिरों और दुर्गों को नष्ट कर दिया, बाल की 18 फुट ऊंची सोने की मूर्ति को पिघला दिया, जिसका वजन 1,800 पाउंड सोने का था, और अपने शाही पदनाम से बेबीलोन के राजा की उपाधि हटा दी।

तो, कार्यों का यह सेट जो मैंने अभी आपको बताया था, प्रत्येक बाद के फ़ारसी राजा के लिए बहुत आम हो गया था, और इस प्रकार यह प्रत्येक सफल फ़ारसी राजा के साथ, फ़ारसी शासन के

खिलाफ विद्रोह करने वाले लोगों द्वारा सैन्य लड़ाई के बाद सैन्य लड़ाई थी। हालाँकि, वह यूनानियों के खिलाफ अपने युद्धों के कारण सबसे ज्यादा जाना जाता है, जिनमें से सभी में उसे हार का सामना करना पड़ा। इस विषय पर कई अच्छे कार्य हैं।

यूनानी इतिहासकार हेरोडोटस ने तर्क दिया कि जब ज़ेरक्स ने ग्रीस पर आक्रमण किया, तो उसके पास 1.7 मिलियन सैनिकों, 80,000 घुड़सवारों और 20,000 ऊंटों या रथ चलाने वाली सेना थी। वास्तव में, फ़ारसी आक्रमणकारी सेना लगभग 50,000 से 100,000 पुरुषों के बीच थी। लेकिन जैसा कि मैंने आपको बताया था, यूनानियों ने अतिशयोक्ति की।

यह वैसा इतिहास नहीं है जैसा हम इसे जानते हैं। यह पूरी तरह से कोमल है। तो, हम ग्रीक सामग्री को जीभ से पढ़ना चाहते हैं।

तो, जो मैं आपको बताऊंगा वह यह है कि उसने आक्रमण किया था, और यह यूनानियों के लिए एक खतरनाक क्षण था। और इसलिए, मैं अपने कर्सर को आपको इनमें से कुछ जानकारी दिखाने देता हूँ। जैसे ही वह अपनी सेना को ग्रीस में लाया, यह देखना कठिन हो सकता है कि इस ग्राफ में भूमि और पानी कहाँ हैं।

लेकिन जब वह अपनी सेना को ग्रीस ले आया, तो वह स्पष्ट रूप से एथेंस की ओर जा रहा था, जिसे वह अपने साम्राज्य के लिए परेशानी का मुख्य स्रोत मानता था। तो, वह स्पष्ट रूप से एथेंस को जीतने की कोशिश करने के लिए जा रहा है। और मुझे लगता है... वह वहाँ है।

हे भगवान। इसलिए, उसकी सेना यूनानियों के विरुद्ध सफल होने के लिए बहुत बड़ी है। तो उसकी सेना इस तरह नीचे आ रही है, और निश्चित रूप से, यह ग्रीस की ओर जा रही है।

और यूनानी अपने क्षेत्र को अच्छी तरह से जानते हैं, इसलिए वे स्पार्टन्स के एक समूह को थर्मोपाइले के दर्रे पर यहां कब्जा करने का काम सौंपते हैं। यह ऐसा मामला है जहां दर्रा केवल तीन मीटर चौड़ा है। किंवदंती है कि वे 300 थे।

हम अन्य स्रोतों से जानते हैं कि इनमें से लगभग एक हजार स्पार्टन योद्धा थे, और उन्हें एथेनियाई लोगों को जो कुछ वे बचा सकते थे उसे बचाने का मौका देने के लिए इस दर्रे को पकड़ने का काम दिया गया था। दक्षिण की ओर बढ़ते हुए यह बल ऐसा है कि इसकी कोई संभावना नहीं है... जाहिर तौर पर यूनानियों के पास इसे रोकने की कोई संभावना नहीं है। और इसलिए, वे बस समय खरीद रहे हैं।

थर्मोपाइले में वीरतापूर्ण कार्रवाई के बारे में हॉलीवुड में कई फिल्में हैं। निःसंदेह, यदि आप हॉलीवुड को जानते हैं, तो उसमें रोमांस अवश्य होगा; अन्यथा, लोग इसे नहीं देखेंगे। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि सुंदर, नपुंसक स्पार्टन महिलाएं कम कपड़े पहने, मांसल स्पार्टन सैनिकों के साथ थीं।

लेकिन यह एक वास्तविक लड़ाई थी और इसने थोड़े समय के लिए एथेंस को बचा लिया। स्पार्टन सैनिकों का सफाया हो गया है। ओह, और हॉलीवुड ने उनमें से एक को बचा लिया है।

यह पता चला है कि वे अविश्वसनीय कार्रवाई की खबर स्पार्टा में वापस लाना चाहते हैं। इसलिए वे वापस जाकर कहानी बताने के लिए एक स्पार्टन सैनिक को उसकी खूबसूरत युवती के साथ बचाते हैं। हाँ, हॉलीवुड.

खैर, मामले की सच्चाई यह है कि थर्मोपाइले में, उन्हें नष्ट कर दिया गया था। फ़ारसी सेनाएँ दक्षिण की ओर बढ़ीं। एथेंस को लूट लिया गया और जला दिया गया।

होल्लिंग कार्रवाई के परिणामस्वरूप वास्तव में क्या होता है कि एथेंस में स्थित यूनानी बेड़ा भागने में सक्षम हो जाता है। और हमारे यहाँ सलामिस नामक एक अस्पष्ट द्वीप क्षेत्र पर इतिहास की वास्तविक स्मारकीय लड़ाई है। मुझे लगता है कि मेरे क्लास नोट्स में, मेरे पास आपके लिए सलामिस में इस लड़ाई की एक तस्वीर है।

और यहाँ सलामिस में क्या हुआ। एथेनियन बेड़ा एथेंस छोड़ने और इस संकीर्ण जलमार्ग पर स्थानांतरित होने में सक्षम था, जिसे सलामिस कहा जाने लगा। इसलिए, एथेनियाई लोगों के जहाज़ इस क्षेत्र के अंदर थे।

जैसा कि आप देख सकते हैं, यह ज़मीन से घिरा होगा। और फ़ारसियों, फ़ारसियों के पास वास्तव में कोई नौसेना नहीं थी। उन्होंने अपने लिए लड़ने के लिए नौसेना में जाने वाले लोगों को काम पर रखा।

तो उनके जहाज़ यहाँ थे। निःसंदेह, वे ऐसे दिखते हैं जैसे उन्होंने एथेनियाई लोगों को फँसा लिया हो। शायद गलती—मैं नहीं हूँ; मैं इस लड़ाई के बारे में अंदर से नहीं जानता-लेकिन शायद फ़ारसियों के लिए बेहतर होता कि वे अपनी नौसेना यहीं छोड़ देते।

लेकिन वे वास्तव में अपने जहाज़ों को बंदरगाह के अंदर, इस क्षेत्र के अंदर ले गए। यह एक गलती साबित हुई क्योंकि फ़ारसी जहाज़ बड़े थे और उन्हें चलाना अधिक कठिन था, जबकि यूनानी जहाज़ छोटे थे।

और उन संकीर्ण जल में, वे फ़ारसी बेड़े को मात देने और फ़ारसी बेड़े पर कहर बरपाने में सक्षम थे। खैर, सलामिस की लड़ाई में बेड़े के नुकसान के साथ, फ़ारसवासी एक असंभव सैन्य स्थिति में हैं। ग्रीस एक गरीब देश है।

यह अपनी आबादी का पेट भी नहीं भर सकता। फ़ारसियों द्वारा इस विशाल सैन्य बल को बनाए रखने का एकमात्र तरीका इन जहाज़ों पर ढोए गए अनाज के माध्यम से सैनिकों को खिलाना है, जो फ़ारसियों को पीछे हटने के लिए मजबूर करता है।

परिणामस्वरूप, ग्रीस बच गया। एक बात जो मेरे जैसे किसी व्यक्ति को हास्यास्पद लगती है वह यह है कि मैराथन को सारी स्याही मिल जाती है, लेकिन पश्चिम को बचाने वाली असली लड़ाई सलामिस थी। अतः फ़ारसी सेनाएँ पीछे हट गईं।

ग्रीस बच गया. और इस वीरतापूर्ण कार्रवाई के कारण इस आक्रमण में फारसियों के खिलाफ लड़ाई में सफलता मिली। एक की हार के साथ... ठीक है, और इस तरह वह लड़ाई 480 में हुई।

फारसियों के लिए यह वर्ष वही था जो जर्मनों के लिए 1943 था। न केवल वे कई प्रमुख लड़ाइयों में हार गए, बल्कि उनके सहयोगियों, कार्थागिनियों को हिमरा की लड़ाई में एक चौंकाने वाली हार मिली। और इसलिए, सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए, फारसियों को ग्रीस पर विजय प्राप्त करने के उनके प्रयास में स्थायी रूप से बाधा उत्पन्न होती है।

फ़ारसी भूमि और नौसैनिक बलों की हार के साथ, लड़ाई इओनिया के तट पर स्थानांतरित हो गई, जहां 479 में, माइकेल की लड़ाई में, एक फ़ारसी बेड़े को पकड़ लिया गया, विभाजित किया गया और जला दिया गया। इस सामान्य समय अवधि के दौरान, प्लाटिया की लड़ाई में 40,000 से 50,000 पुरुषों की एक फ़ारसी सेना इओनिया में हार गई थी। तो, जब 49... जब 479 ख़त्म हुआ, तो ग्रीस को जीतने के फ़ारसी प्रयास विफल हो गए।

वे हो गए. इन आपदाओं के कारण फ़ारसी द्वारा ग्रीस पर उचित रूप से विजय प्राप्त करने के प्रयास समाप्त हो गए, और इसलिए ज़ेरक्स ने अपने प्रयासों को जलाने के बजाय निर्माण में बदल दिया। तो, इसे ध्यान में रखते हुए, हमारे पास पूर्व और पश्चिम के बीच पहले दौर का अंत है।

और मैं पहला दौर इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि दूसरे दौर में पूर्व और पश्चिम की लड़ाई में सिकंदर महान होने वाला है। और सिकंदर महान लड़ाई को पूर्व की ओर ले जाएगा और निस्संदेह जीतेगा। इसके बाद के फ़ारसी राजाओं का अपना इतिहास है।

मुझे यकीन नहीं है कि इसमें कितना जाना है। आर्टाज़र्सीस। का निर्माण समाप्त होता है... यूनानियों और फारसियों के बीच कैलाइस की शांति में हस्ताक्षर करना, जिसने उनके बीच उन शर्तों पर शांति ला दी जो पूरी तरह से अनुकूल थीं, जैसा कि आप वहां नोट्स पढ़कर देख सकते हैं, वे शर्तें जो पूरी तरह से अनुकूल थीं यूनानियों को, फारसियों को नहीं। संक्षेप में, फारसियों ने यूनानियों के खिलाफ युद्ध खो दिया था, और इस लंबी समय अवधि को कम करने के लिए, यह यूनानी फूट के खिलाफ फारसी सोना साबित होगा।

इन अगले वर्षों को कम करने के लिए, इसे कुछ हद तक प्रबंधनीय बनाने के लिए, हम आपको जो बता सकते हैं वह एकमात्र चीज़ है जिसने फ़ारसी साम्राज्य को जल्दी ख़त्म होने से बचाया, वह थी ग्रीक फूट। एकमात्र चीज़ जो यूनानियों को एकजुट करती थी वह फारसियों का डर था। और जब कैलियास की शांति के बाद यह स्पष्ट हो गया, जब यह स्पष्ट हो गया कि फारसियों को एक राजनीतिक इकाई के रूप में समाप्त कर दिया गया था, तब वे वही करने लगे जो वे सदियों से करते आ रहे थे, और वह था एक दूसरे को मारना।

इस प्रकार विनाशकारी युद्धों ने यूनानी कारण को जकड़ लिया। फारस के लोग एक यूनानी राजनीतिक इकाई की ताकत खरीदने और दूसरे के खिलाफ लड़ाई के लिए फारसी सोना खरीदकर और उसका उपयोग करके यूनानियों को चतुराई से हेरफेर करने में सक्षम हैं। और

इसलिए, शेष अवधि के लिए, यह यूनानी फूट के विरुद्ध फ़ारसी सोना है जबकि फ़ारसी साम्राज्य हमेशा कमज़ोर, और अधिक भ्रष्ट होता जा रहा है।

इसलिए, मुझे लगता है कि मैं आपको इन फ़ारसी राजाओं की शेष कहानी के बारे में नहीं बताने जा रहा हूँ और इसके बजाय आपके लिए यह चित्र चित्रित करूँगा कि क्या होता है, और यही मध्य पूर्व की कहानी का अंत लाता है। और यह जनसंख्या के एक अन्य यूनानी रूप की विजय है, और वह है सिकंदर महान। सिकंदर महान के पिता फिलिप ने स्पष्ट रूप से फारसियों के खिलाफ एक पवित्र युद्ध के विचार की कल्पना की थी।

सभी के लिए यह स्पष्ट था कि फारस कमजोर था और उसे जीता जा सकता था। यूनानी सेनाएँ, चाहे वे एथेनियन, स्पार्टन, कोरिंथियन या मैसेडोनियाई हों, फारसियों से श्रेष्ठ थीं। इसलिए, ऐसा प्रतीत हुआ कि फिलिप ने फ़ारसी साम्राज्य को समाप्त करने के लिए युद्ध का विचार पकड़ लिया था।

कुछ लोग सोचते हैं कि सिकंदर ने उसे मार डाला। जानने का कोई तरीका नहीं है। लेकिन सिकंदर वह व्यक्ति बन गया जिसके पास हराने के साधन हैं, जिसे फारसियों को हराने का अवसर मिलता है।

इसलिए, सिकंदर ने एक मैसेडोनियाई सेना बनाई, और उन्होंने इस क्षेत्र पर आक्रमण किया। यहां ग्रैनिकस नदी पर, वे पहले फ़ारसी सैनिकों से मिले और एक कठिन लड़ाई में जीत हासिल की। फ़ारसी साम्राज्य गंभीर रूप से कमजोर हो सकता था, लेकिन यह अभी भी एक शक्तिशाली शक्ति थी, और ग्रैनिकस में सिकंदर की सेनाओं ने केवल फ़ारसी सेनाओं को कुचलने की जीत हासिल नहीं की थी। यह एक कठिन लड़ाई है।

लेकिन वे जीत जाते हैं, और जब वे युद्ध जीत जाते हैं, तब वे अपनी सेना को दक्षिण की ओर ले जाते हैं। और यह सिकंदर महान के भव्य रहस्यों में से एक रहा है क्योंकि किसी ने सोचा होगा कि उसे फारसी सोने से प्रेरित किया गया होगा, लेकिन उसने अपनी सेना को पूर्व की ओर ले जाने के बजाय, अपनी सेना को दक्षिण की ओर ले जाया, और वहां उसने मिस्र पर विजय प्राप्त की। वह मिस्र चला जाता है, मुक्तिदाता के रूप में उसका स्वागत किया जाता है, उसे दिव्य रूप दिया जाता है और फिर, ग्रीस के बाद, वह वापस लौटता है और फारस को जीतने के लिए फिर से लड़ाई शुरू करता है। इसलिए, फ़ारसी साम्राज्य को नष्ट करने के लिए केवल दो लड़ाइयों की आवश्यकता है, एक यहां आइसिस में, दूसरी यहां गौगामेला में।

दोनों लड़ाइयाँ कठिन हैं। दोनों लड़ाइयाँ किसी भी दिशा में जा सकती थीं, लेकिन दोनों लड़ाइयाँ मैसेडोनियाई सेनाओं ने जीत लीं। गौगामेला के बाद, फ़ारसी राजा की उसके ही सैनिकों द्वारा हत्या कर दी जाती है, और सिकंदर के लिए साइरस महान के ऐतिहासिक डोमेन तक पहुंचने का रास्ता खुला है।

सिकंदर ने पूरे भारत की ओर मार्च किया। सिकंदर में जो भी कमियाँ थीं, उन सभी के बावजूद, सिकंदर एक साहसी व्यक्ति था, और वह हर तरह से एक सैन्य प्रतिभा की कल्पना कर सकता

था, लेकिन सिकंदर की सफलता मैसेडोनियाई सैनिकों की श्रेष्ठता से कहीं अधिक हो सकती थी। आखिरकार, ये तीनों लड़ाइयाँ, ग्रैनिकस, आइसिस और गौगामेला कड़ी मेहनत से लड़ी गईं।

जिस बात ने अलेक्जेंडर के लिए स्थिति बदल दी वह यह थी कि वह रसद के क्षेत्र में एक प्रतिभाशाली व्यक्ति था। वह जानता था कि अपने सैनिकों को इन कम परिष्कृत विरोधियों पर सैन्य बढ़त दिलाने के लिए रसद का उपयोग कैसे किया जाए, और इसलिए वह रसद की कला में महारत हासिल करने की क्षमता के कारण अपने सैनिकों को हजारों मील तक ले जाने में सक्षम था और ऐसा सफलतापूर्वक करने में सक्षम था। उदाहरण के लिए, जब वह अपने सैनिकों को मिस्र ले जा रहा था, तो उसने अपने सैनिकों को उस नौसेना के माध्यम से प्रावधान किया जो उसके यहाँ अपतटीय थी, और उस नौसेना ने न केवल उसके सैनिकों को खाना खिलाया बल्कि उनकी रक्षा भी की।

और जब उसने अपनी सेना को मेसोपोटामिया में स्थानांतरित किया, तो उसने वास्तव में अपने जहाज को रोलर्स पर रखकर, अपने नौसैनिक जहाजों को रोलर्स पर रखकर, उन्हें पूरे इलाके में घुमाकर अपनी नौसेना के एक हिस्से का इस्तेमाल किया, ताकि वह टाइग्रिस और यूफ्रेट्स पर नौसेना के माध्यम से अपने सैनिकों की व्यवस्था कर सके। नदियाँ। ऐसी चीजें जो उन्हें अलग करती थीं, उन्होंने उनके विरोधियों को हतोत्साहित कर दिया और उन्हें जीत, जीत, कई जीत हासिल करने में सक्षम बनाया। यहां ऐसी चीजें हैं जो मुझे आपको पाठ्यक्रम समाप्त करने से पहले बतानी चाहिए क्योंकि अलेक्जेंडर द ग्रेट के साथ, हम वास्तव में उस क्षेत्र में हैं जिसे हम न्यू टेस्टामेंट पृष्ठभूमि कह सकते हैं।

ऐसा प्रतीत होता है कि सिकंदर महान हेलेनिज्म का प्रेरित था। सिकंदर, लगभग हर विजेता की तरह, केवल आक्रमण करके, खच्चर गाड़ी छीन लेने से संतुष्ट नहीं था। सोने और चांदी को मैसेडोन ले जाने वाली खच्चर ट्रेन इतनी बड़ी थी कि वह बस लड़खड़ा रही थी।

संभवतः दुनिया में हर कोई मैसेडोनिया में चांदी और सोना वापस लाने, मैसेडोनिया वापस जाकर वहां अपने सिंहासन पर बैठने और विलासिता में मरने से संतुष्ट होता। ऐसा लगता है कि सिकंदर को इस तरह से बांध दिया गया था कि वह केवल युद्ध में ही प्रभावी ढंग से रह सकता था। ऐसा प्रतीत होता है कि सिकंदर के लिए मृत्यु ही जीवन थी।

इसलिए, जब तक वह जीत रहा था, उसे भगाया गया। लेकिन ऐसा लगता है कि इतिहास के कुछ प्रमुख लोगों की तरह, सिकंदर भी शांति कायम रखने में असमर्थ रहा है। विजय प्राप्त करने के बाद, वह बेबीलोन वापस आया और वहीं उसकी मृत्यु हो गई।

लेकिन सिकंदर के पास युद्ध और सोने के अलावा और भी बहुत कुछ था। अलेक्जेंडर हेलेनिज्म का एक प्रेरित था। सिकंदर ने अपने क्षेत्र, मैसेडोनिया, ग्रीस और अचिया की संस्कृति को ले जाना और उस संस्कृति को पूर्व में लाना चाहा।

उन्होंने दर्जनों शहरों की स्थापना की जिन्हें उन्होंने एंटीओक नाम दिया और इस पूरे क्षेत्र में, उन्होंने मैसेडोनियन सैनिकों के समूहों को जमा किया ताकि वे हेलेनिस्टिक संस्कृति में निहित

द्वीपों की स्थापना कर सकें। हेलेनिज्म के ये द्वीप अंततः यहां की बहुत बड़ी आबादी द्वारा निगल लिए जाएंगे। हेलेनिज्म, जितना पूर्व की ओर चला गया, हेलेनिज्म उतना ही कम सफल रहा।

लेकिन हेलेनिज्म एक ऐसा पदचिह्न छोड़ने जा रहा था जो विफल होने के लिए बहुत बड़ा था। और इसलिए भले ही हेलेनिज्म पूर्व पर हावी नहीं हुआ, अलेक्जेंडर के सैनिक, और विशेष रूप से जनरलों, हेलेनिज्म की एक संस्कृति लाएंगे जो फर्टाइल क्रीसेंट और अनातोलिया पर हावी होगी और अंततः, निश्चित रूप से, विजय प्राप्त करेगी, न कि लोगों की। मैसेडोनियन सैनिक, लेकिन उत्तराधिकारी राज्यों में अलेक्जेंडर के जनरलों के नेतृत्व में। वास्तव में, सिकंदर की असली जीत रोमनों की संस्कृति में थी।

सिकंदर ने अपनी दुनिया को यूनानी बनाना चाहा; उन्होंने इसे एक आम भाषा देने की कोशिश की, कोइन ग्रीक, उन्होंने इसे एक आम भाषा देने की कोशिश की, उन्होंने इसे एक आम संस्कृति देने की कोशिश की, और कुछ लोग सोचते हैं कि उन्होंने इसे एक आम धर्म देने की कोशिश की। सिकंदर ने अपनी दुनिया को यूनानी बनाना चाहा, लेकिन वह केवल आंशिक रूप से ही सफल हुआ। नए नियम की समयावधि तक, यह प्राचीन दुनिया एक ऐसी दुनिया थी जिसमें कई मायनों में, हेलेनिज्म की जीत हुई, लेकिन अन्य तरीकों से, पूर्व और पश्चिम के बीच युद्ध यहीं जारी रहा।

66 से 70 ईस्वी के वर्षों में, मूल सेमिटिक यहूदियों और कुछ हेलेनिस्टिक यहूदियों ने रोम के खिलाफ युद्ध की घोषणा की और पूर्व और पश्चिम के बीच युद्ध रोमन इतिहास के महान विद्रोहों में से एक बन गया। तो, ऐसा प्रतीत होता है कि एलेक्जेंडर ने जो किया है, कम से कम मेरे नजरिए से जब हम इस विषय को छोड़ रहे हैं, तो वह यही है। उसने दुनिया के एक ऐसे हिस्से को हेलेनाइज़ करने की कोशिश की जिसकी अपनी संस्कृति थी और वह सफल नहीं हुआ।

वह कुछ हद तक सफल हुआ, लेकिन वह सफल नहीं हो सका। उनकी यहां भागीदारी के परिणामस्वरूप, हमारे यहां पूर्व और पश्चिम के बीच तनाव है। यह विडम्बना है कि पूर्व और पश्चिम के बीच तनाव प्राचीन मध्य पूर्वी राज्यों के उत्तराधिकारी राज्यों के बीच आज भी जारी है, जैसा कि इस्लामी दुनिया में प्रमाणित है। इस्लामी दुनिया यूनानीकृत नहीं है, और यह कई मायनों में अपने पूर्ववर्तियों की प्राचीन दुनिया को कायम रखती है।

और इसलिए हम आज यहां हैं, सिकंदर और उसकी दुनिया के बीच संघर्ष, रोम और उसकी दुनिया के बीच संघर्ष के सदियों बाद, और आज भी, पूर्व और पश्चिम के बीच संघर्ष की टेक्टॉनिक प्लेटें इसी पूर्व-पश्चिम के साथ खींची गई हैं। पंक्ति यह है कि हमारे पास एक ऐसी दुनिया है जिसमें अरबी के रूप में सेमिटिक बोलियाँ हावी हैं, जिसमें इस्लामी दुनिया में सेमिटिक संस्कृति का प्रभुत्व है। इसलिए हम पुराने नियम की पृष्ठभूमि में बाइबिल की दुनिया को यह याद दिलाकर समाप्त करते हैं कि अलेक्जेंडर, वास्तव में उसके पूर्ववर्तियों ने भी, पूर्व और पश्चिम के बीच एक संघर्ष शुरू किया था जो भौगोलिक और स्थलाकृतिक रूप से आज भी जारी है। तो इसके साथ, हम पुराने नियम की पृष्ठभूमि पर अपनी चर्चा को समाप्त करेंगे, पहचानेंगे और इस टिप्पणी के साथ समाप्त करेंगे कि मैं पूरी तरह से मानता हूँ कि सिकंदर महान नए नियम की पृष्ठभूमि से संबंधित है, लेकिन एक भावना है कि सिकंदर एक टिका हुआ व्यक्ति है।



वह पुराने टेस्टामेंट से लेकर न्यू टेस्टामेंट तक, मध्य पूर्व से हेलेनाइज्ड दुनिया तक का केंद्र है। इसी कारण से, हम इन कुछ क्षणों में उनके बारे में बात करते हैं, जो उस व्यक्ति के रूप में हेलेनिज्म को पूर्व में लाने की कोशिश कर रहे थे, आंशिक रूप से सफल हुए, लेकिन हमारे लिए पूर्व और पश्चिम के बीच संघर्ष की विरासत छोड़ गए।

यह मेरा सौभाग्य है कि आपको पुराने नियम की पृष्ठभूमि की अद्भुत दुनिया से परिचित कराने का अवसर मिला। मुझे आशा है कि यह एक ऐसी दुनिया है जिससे परिचित होने पर आप खुद को मंत्रमुग्ध पाएंगे। मुझे विश्वास है कि यह एक ऐसी दुनिया है जिसमें आप उन अद्भुत अध्ययन स्रोतों का उपयोग करेंगे जो आपके लिए उपलब्ध हैं, टिप्पणियाँ, अद्भुत किताबें, और अद्भुत ऐतिहासिक जानकारी जो अब हजारों पुस्तकों में उपलब्ध है।

और मुझे आशा है कि यह एक ऐसी यात्रा है जिससे आप जीवन भर कभी नहीं थकेंगे। हम एक बात को लेकर निश्चित हो सकते हैं। हम कभी भी वह सब कुछ नहीं जान पाएंगे जो जानना है क्योंकि पुरातत्व के माध्यम से हमारे पास जो कुछ है वह एक ऐसी दुनिया है जो हमें नई सामग्री सिखाना बंद नहीं करती है।

इसलिए, मैं आज 2017 में यहां खड़ा हूँ, यह जानते हुए कि शायद 2018 में, अगला बेहतरीन टैबलेट मिल जाएगा। लोगों की एक नई पीढ़ी को डेटा की एक नई पीढ़ी से परिचित कराया जाएगा, जो पृष्ठभूमि की रोमांचक, अद्भुत दुनिया जैसे ज्ञान की एक नई पीढ़ी लाएगा। जब तक प्रभु वापस नहीं आएंगे और इस दुनिया का अंत नहीं करेंगे, तब तक सूचना पुनर्प्राप्ति का अंत कभी नहीं होगा।

जब आप उस रोमांचक नई दुनिया से जुड़ें तो भगवान आपको आशीर्वाद दें। आपके ध्यान के लिए बहुत बहुत धन्यवाद।

यह पुराने नियम की पृष्ठभूमि पर अपने शिक्षण में डॉ. डॉन फाउलर हैं। यह सत्र 23 है, फ़ारसी और यूनानी संघर्ष और फ़ारस का अंत।